

रक्षा स्त्री. (तत्.) 1. विपत्ति, रोग, हानि, आदि से बचाने की एक क्रिया, बचाव, हिफाजत 2. कलाई में विशेष अवसर पर बाँधा जाने वाला रक्षा सूत्र या राखी 3. सुरक्षा, रखवाली 4. वह सूत्र या यंत्र जो बच्चों की कलाई में भूत-प्रेतादि की बाधा से रक्षा करने के लिए बाँधा जाता है, कोई यंत्र आदि।

रक्षाकवच वि. (तत्.) 1. किसी कष्ट, विपत्ति, परोक्ष संकट या भयानक रोग आदि से बचाने वाला, तंत्र-मंत्र की विधि से बनाया हुआ कोई कवच या यंत्र जिसे भुजा में या गले में बाँधा जाता है 2. भौतिक एवं दैवी विपदा से रक्षा का साधन यंत्र।

रक्षागृह पुं. (तत्.) 1. आंतरिक तथा बाहरी आक्रमणों आदि से बचाव के लिए जमीन के अंदर बना हुआ सुरक्षित स्थान 2. प्रसूतिगृह।

रक्षा-नौका स्त्री. (तत्.) 1. समुद्र में जहाज डूबते समय मानव-जीवन को सुरक्षित बचाने वाली विशेष प्रकार की नाव 2. जीवनरक्षक नौका।

रक्षा-पेटी स्त्री. (तत्.) 1. नौका/जहाज आदि में बैठे हुए व्यक्ति के द्वारा कमर में बाँधी जाने वाली एक विशेष प्रकार की पेटी जो संकट के समय डूबने से बचाती है 2. जीवनरक्षक पेटिका।

रक्षाबंधन पुं. (तत्.) 1. भारतीय परंपरा में भाई-बहन के परम स्नेह का एक पवित्र पर्व जो प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है, इस दिन बहन अपने भाई के हाथ में रक्षासूत्र, राखी बाँध कर उसके भावी जीवन की मंगल कामना करती है 2. हिंदू धर्म की मान्यतानुसार पुरोहित भी अपने यजमान के हाथ में रक्षा सूत्र बाँधकर उसे आशीर्वाद प्रदान करते हैं 3. आजकल भारत सरकार द्वारा इस दिवस को संस्कृत दिवस के रूप में भी मनाया जाता है 4. राखी 5. श्रावणी पर्व।

रक्षाभूषण पुं. (तत्.) 1. भूत-प्रेतादि संबंधी किसी दैवी बाधा या ग्रहजन्य बाधा से बचने के लिए गले या हाथ में धारण किया जाने वाला यंत्र,

तंत्र या कवच 2. शारीरिक जीवन-रक्षा के लिए धारण किये जाने योग्य कोई मंत्र/तंत्र युक्त आभूषण।

रक्षा-मंगल पुं. (तत्.) 1. वह धार्मिक अनुष्ठान या क्रिया जो भूत-प्रेत जनित बाधा या ग्रहों की प्रतिकूलता से होने वाली विपत्ति या कष्टों आदि से बचाव के लिए किया जाए 2. किसी दैवी या ग्रह-दोषों की शांति हेतु किया जाने वाला मांगलिक अनुष्ठान।

रक्षासूत्र पुं. (तत्.) 1. किसी भी प्रकार की दैवी विपत्ति या शारीरिक कष्ट को दूर करने के लिए हाथ में बाँधा जाने वाला मंत्र सिद्ध धागा 2. यज्ञ या किसी धार्मिक अनुष्ठान के अवसर पर आचार्य या पुरोहित द्वारा यजमान के दाहिने हाथ की कलाई में समंत्र बाँधे जाना वाला विशेष धागा 3. रक्षा बंधन के अवसर पर बाँधी जाने वाली राखी।

रक्षित वि. (तत्.) 1. जिसकी अन्य बाहरी बाधाओं से रक्षा की गई हो 2. जो किसी के प्रयास, प्रभाव आदि के कारण सकुशल है 3. किसी के द्वारा पालित-पोषित 4. जिसे संभालकर रखा गया हो।

रक्षित-राज्य पुं. (तत्.) 1. वह छोटा राज्य जो व्यवस्था आदि की दृष्टि से किसी बड़े राज्य के द्वारा संरक्षित हो, उसके अधिकार सीमित होते हैं 2. किसी बड़े राज्य शासन के अधीन छोटा राज्य, किसी बड़े राज्य का एक भाग।

रक्षिता स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जो बिना विवाह किए किसी पुरुष के साथ पत्नी की तरह रहती है, रखैल।

रक्ष्यमाण वि. (तत्.) 1. जो रक्षा किए जाने लायक हो 2. जिसकी रक्षा करना बहुत आवश्यक हो 3. रक्षा किए जाते हुए।

रखना क्रि. (तद्.) 1. एक वस्तु को किसी अन्य (वस्तु, स्थान, व्यक्ति आदि) पर स्थित करना जैसे- हाथ पर हाथ रखना 2. टिकाना, ठहराना, धरना जैसे- जिस पर हाथ रखोगे, वही तुम्हारी,